फरीदाबाद
मजदूर समाचार
अनुभवों तथा विचारों के आदान-प्रदान के जरियों में एक जरिया

'मजदूर समाचार' की कुछ सामग्री अंग्रेजी में इन्टरनेट पर है। देखें–
< http://faridabad majdoorsamachar.blogspot.in >

डाक पता : मजदूर लाईब्रेरी, आटोपिन झुग्गी, एन.आई.टी. फरीदाबाद – 121001

नई सीरीज नम्बर **347** *1/–* *मई* **2017**

किस्सा , कैसे , और कविता

बड़ा मस्त लेटा है। ड्युटी नहीं जाना क्या ?

बहुत अच्छी बाजरे की खिचड़ी झीगें के अचार के साथ खाई है। आज ड्युटी ऑफ !!

बड़े आराम से तो ऑफ ले लेता है। प्रोब्लम नहीं होती क्या ?

आजकल प्रोडक्शन का कुछ डाउन चल रहा है। कुछ तूफान आने वाला है। कुछ एनर्जी जमा कर रहा हूँ ।

हाँ सरिता , तुम भी तो कुछ ऐसे ही कह रहे थे।

मैं तुझे यह समझा रही थी कि हमारे यहाँ काम डाउन हो रहा है। ऐसे समय में लोग कहते हैं कि बेरोजगार होने के दिन आ रहे हैं।

हा-हा-हा ! बेरोजगार हूँ तीन महीने से। इसलिये बेधड़क बोल रहा हूँ। खूब सुन रहा हूँ। और खूब पढ रहा हूँ।

तू तो यार बेरोजगारी को आजादी बना रहा है !

आजादी बना नहीं रहा , आजादी की प्रैक्टिस कर रहा हूँ । आजादी भी एक खेल है। जितनी प्रैक्टिस करो उतनी ही निखरती है। तुम सब भी तो अपने-अपने ढँग से करते हो।

हाँ सुना है , चीन में युवा वरकर मोबाइल फोनों में कवितायें लिख कर एक-दूसरे को भेजते रहते हैं। और यह कवितायें जीवन के हर रस को जीती हैं।

समय को छीन कर गीत लिखने का आनन्द और जिद अपने आप में ही विद्रोह है।

यार तू तो फिर से पहेलियों में बात कर रहा है।

कुछ दिन पहले अखबार में एक लेख पढा था। उसमें एक युवा वरकर था जो रोज एक घण्टा निकाल कर कविता लिखता था। उसका कहना था कि उन कविताओं में हर रोज वह बराबरी शब्द को जाँचने और पहचानने की कोशिश में लगा रहता है।

यह तो विद्रोह ही हुआ ।

प्रोडक्शन लाइनों पर बाहर से अचानक काम बन्द होता दिखता है तब बारह सौ-पन्द्रह सौ हम साथियों के बीच में कोई गुनगुनाहट होती है। शब्द भी होते हैं , ताल भी होती है , महसूस भी होती है लेकिन रिकार्ड नहीं की जा सकती, जी जाती है।

कई जगहों का पानी पिया
कभी पेट भी खराब हुआ
इतमिनान से जीना सीखा
औरों ने जब मुझे छुआ।

समय कभी कम लगता है
शायद और समय बनाना है
एक दिन मिल के छुट्टी करो भई
क्षितिज को खींच लाना है।

क्षितिज को खींच लाने की एक कहानी सुनाता हूँ। एक सज्जन पाँच दिन से मिल रहे हैं। हर रोज चाय की दुकान पर मिल जाते हैं। पाँच दिन पहले खूब गाली दे रहे थे। बहुत बुरा हाल है कह कर गहरी-गहरी साँस ले रहे थे। उसके अगले दिन उनके 120 साथियों ने काम बन्द किया। जब मिले तो बोले बुरा हाल है। अगले दिन उनकी कम्पनी की दो फैक्ट्रियों में उनके साथियों ने काम बन्द किया।

अब क्या बोले वो ?

बड़ी गर्मी है। आओ तुम्हें भी चाय पिलाता हूँ। मूड अच्छा है। फिर कुछ देर बाद बोले , क्या हमारा दम दिखा ?

तीन दिन में ही इतने उतार-चढाव ! कभी-कभी लगता है कि जब हम एक-दूसरे से मिलते हैं तब कोई उतार में और कोई चढाव में होते हैं। कोई पीछे देख रहे होते हैं और कोई आगे देख रहे होते हैं।

कविता , गीत इसी समय को पकड़ लेते हैं। उतार-चढाव के सन्धि-काल को पकड़ लेते हैं।

यह सज्जन हजार साथियों के बीच में तैर रहे हैं। आसानी से। कैसे ?

तीन महीने से काम में नहीं हूँ , कविता में हूँ और जिसको जो कहना है बेझिझक मुझ से बोलो। अपने सारे किस्से और कैसे सुना डालो।

लगता है कि तीन 'क' से परिवेश बनता है। किस्से, कैसे , और कविता। इन तीनों के उतार-चढाव, टक्कर और जुगलबन्दी हमारे बीच में से गुजरती है और परिवेश की महक रचती है।

जहाँ जना और बड़ा हुआ
छूटे हैं कई साथ मेरे
तो नये रिश्ते बना सकूँ
सो फैले हुये हैं हाथ मेरे ।

कई बातें कईयों में बातचीतों में .... (पेज चार का शेष)

(पेज चार का शेष)

अब अप्रैल में एम डी से फिर मिला तो फिर वही नाम लिखा दो , पैसे मिल जायेंगे..... ***कौटिल्य एक्सपोर्ट*** (190 उद्योग विहार फेज-1) फैक्ट्री में ओवर टाइम दिखाते नहीं हैं , अलग से कैश देते हैं...... ***शिवांग उद्योग लिमिटेड*** (671-73 उद्योग विहार फेज-5) वरकरों ने विस्तार से बातें की। फैक्ट्री में करीब 3000 मजदूर और अधिकतर को ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखा है। सुबह 9 से रात 1 बजे तक ड्युटी पर कारीगरों को रोटी के लिये 40 रुपये और हैल्परों को 25 रुपये तथा अगली सुबह 6 बजे तक रोकते हैं तब कारीगरों को रोटी के लिये 80 रुपये व हैल्परों को 50 रुपये। प्रोडक्शन वालों के महीने में 125 से 200 घण्टे ओवर टाइम और फिनिशिंग में 250 घण्टे तक ओवर टाइम। ठेकेदार कम्पनियाँ वरकरों की 8 से 15 दिन की हाजरी दिखा कर पैसे बैंक खातों में भेजती हैं जबकि यह मजदूर महीने के 30-31 दिन ड्युटी करते हैं। ज्यादा पैसे वरकरों को कैश दिये जाते हैं। शिवांग उद्योग कम्पनी की 122 , 146 उद्योग विहार फेज-1 तथा 519 फेज-3 में भी फैक्ट्रियाँ हैं....... ***रांगी इन्टरनेशनल*** (98 उद्योग विहार फेज-1) में 13 महीने सुपरवाइजर था। घर पर बीमार , 4 सितम्बर 2016 को रिजाइन लैटर दिया, फुल एण्ड फाइनल पर हस्ताक्षर करवा कर बोले थे कि ढाई महीने की तनखा बैंक अकाउन्ट में भेज देंगे। नहीं भेजी। अब अप्रैल-अन्त तक पैसे नहीं दिये हैं. ..... ***सुन्दर क्राफ्ट*** (322 उद्योग विहार फेज-4) फैक्ट्री से 5 महिला मजदूरों को 27 अप्रैल को अचानक निकाल दिया ....

✶ रात 12 घण्टे की ड्युटी से 6 बजे छूटते ***डिगानिया मेडिकल डिवाइसेज*** (251 , 275 सैक्टर-6 , आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री के टेम्परेरी वरकर बातचीत करते रहे हैं पर दो यूनियन प्रधानों के गुटों में बँटे 450 परमानेन्ट मजदूर नहीं रुकते थे। इस बार परमानेन्टों ने बातें शुरू की। दोनों प्रधानों ने 24 अप्रैल को 4 वर्ष का एग्रीमेन्ट सुनाया जिसमें परमानेन्ट मजदूरों को 14,900 रुपये वृद्धि के बदले में 8 घण्टे में साढे ग्यारह घण्टे का प्रोडक्शन देना होगा। गुटों को ध्वस्त कर सब परमानेन्ट वरकरों ने एग्रीमेन्ट को रिजेक्ट कर दिया। पुरानी प्रोडक्शन ही दे रहे हैं। दोनों प्रधानों ने नोटिस लगाया है कि बढी प्रोडक्शन नहीं दोगे तो कम्पनी एक्शन लेगी और तब यूनियन जिम्मेदार नहीं होगी। वरकरों में वीडियो घूम रहा है जिसमें होटल में 22 अप्रैल की रात हुई एग्रीमेन्ट के बाद पार्टी-शार्टी में यूनियन का जिला प्रधान भी है। परमानेन्टों के साथ खड़े ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखे वरकरों ने चर्चा को आगे बढाया। उनके चार वर्ष में 1000 रुपये बढाने की बात और 12 घण्टे की शिफ्ट में 16 घण्टे का उत्पादन देना। इन 700 वरकरों ने भी प्रोडक्शन नहीं बढाया है। एच आर मैनेजर 27 अप्रैल को 6 से 8 बजे रात टेम्परेरी वरकरों के साथ मीटिंग में बोला कि उत्पादन नहीं बढाओगे तो एक-दो दिन में बाहर कर देंगे , दो महीने में फैक्ट्री बन्द कर देंगे। मीटिंग में रहे टी आर (टीम लीज यूनिवर्सिटी) वरकर चर्चा में शामिल हो गये : कम्पनी में 250-350 टी आर हैं , कहने को दो वर्ष के लिये रखते हैं पर निकालते रहते हैं , ई एस आई नहीं , पी एफ नहीं , हैल्पर ग्रेड , प्रोडक्शन इन्सेन्टिव नहीं , ओवर टाइम के 45 रुपये प्रतिघण्टा। जबकि ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखे वरकरों को महीने में 1000 रुपये प्रोडक्शन इन्सेन्टिव और ओवर टाइम के 56 रुपये प्रतिघण्टा। टी आर ने भी उत्पादन नहीं बढाया है। साढे चार सौ परमानेन्ट और एक हजार टेम्परेरी वरकर मिल कर कम्पनी तथा लीडरों की नाक में दम किये हैं....... ***मेगा मैटल*** (56 सेक्टर-5 , आई एम टी मानेसर) से 15 अप्रैल को निकाले 6 वरकर डिगानिया मेडिकल मजदूरों की बातें सुनते रहे थे , वे बोले : 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में काम किया , ओवर टाइम सिंगल रेट से , नकद देते हैं , मार्च माह का 26-27 अप्रैल को दिया पर निकाले हुओं को यह पैसे नहीं दिये और एच आर वाले बोले कि नहीं देंगे....... ***ज्योति एपरेल्स*** (10 सैक्टर-5 , आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में टेलर और प्रैसमैन को प्रतिदिन 2 घण्टे का ओवर टाइम दुगुनी दर से और बाकी के घण्टों का सिंगल रेट से जबकि अन्य सब वरकरों को पूरा ओवर टाइम सिंगल रेट से , महीने में 100 घण्टे ओवर टाइम ..... ***सिग्मा मोल्डिंग*** (149-151 सैक्टर-5 , आई एम टी मानेसर) के एक वरकर ने जब यह कहा कि शीट पर जहाँ दस्तखत करवाते हैं वहाँ ओवर टाइम के आधे घण्टे लिखे होते हैं तब दूसरा मजदूर बोला कि इस बार देखूँगा। पे-स्लिप में ओवर टाइम दिखाते ही नहीं........गड़बड़ी ***विनय ऑटो*** (42 सैक्टर-3 , आई एम टी मानेसर) में भी करते हैं कहते हुये मजदूर बोले कि जनरल शिफ्ट है और महीने में 120-130 घण्टे ओवर टाइम , भुगतान सिंगल रेट से और तनखा हरियाणा सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन से भी कम , 7600 रुपये है परन्तु ओवर टाइम के पैसे जोड़ कर बैंक में नौ-साढे नौ हजार रुपये भेज कर ज्यादा दिखाते हैं..... कहाँ काम कर रहे हो पूछने पर एक वरकर बोला कि अभी कहीं नहीं। अरे कोई डर नहीं है , बोलेंगे बेधड़क...... तभी ***ऋचा ग्रुप*** (आई एम टी मानेसर) मजदूर बोला कि काम डाउन हो रहा है , बेरोजगार होने के दिन आ रहे हैं....... ***जे एन एस*** (4 सैक्टर-3 , आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री में पी एस एम टी में सुपरवाइजर टॉयलेट जाने पर कुछ ज्यादा ही रोक लगाये है और ......

✶ ओखला औद्योगिक क्षेत्र में मार्च के 28 दिन के पैसे नये ग्रेड अनुसार नहीं दिये जाने की बातें व्यापक रही। एक वरकर बोली कि बी-56 ओखला फेज-1 में काम करते 300-400 मजदूरों को तो पुराना ग्रेड भी नहीं दे रहे, तनखा 6500-7000 रुपये ही है। कम्पनियों की कागज नहीं आने और स्टे है जैसी झूठ भी खूब चर्चा में रही। कुछ जगह साहब लोग यह बोले हैं कि अप्रैल की तनखा मई में देंगे तब नये ग्रेड अनुसार देंगे और साथ में मार्च का एरियर भी देंगे। इस दौरान ***सरवेल केबल्स*** (एस-15 ओखला फेज-2) वरकर काफी देर बातचीत में रहे। फैक्ट्री के नीमराना , राजस्थान शिफ्ट करने की चर्चा डेढ महीने से चल रही है। परमानेन्ट मजदूरों से साहब यह भी कह रहा है कि यहाँ का हिसाब ले कर पैसे कम्पनी में जमा कर कमाई करो। सरवेल वरकर आपस में : कम्पनी में पैसा जमा करना हाथी के मुँह में गन्ना देना है....... कई फैक्ट्रियों के मजदूर एकत्र हो गये और अनेकों फूल खिले। बोलने पर तो काफी चर्चा हुई। मुँह से बोलने पर टारगेट बनेंगे , निकाल दिये जायेंगे। हाथों से बोलने में टारगेट बनने का खतरा नहीं और यह कारगर भी बहुत है , साहबों के माथों में चोट लगती है। अफसरों और नेताओं से तो मुँह से दो शब्द बोलना ही बनता है , "हाँ" और "ना"। मैनेजमेन्ट को समझाने की कोशिशें नादानी हैं। अफसर और नेता बात बहादुर होते हैं , बोलने की ट्रेनिंग होती है , बोलने की प्रैक्टिस करते रहते हैं। चुप्पी और सिर्फ "हाँ" व "ना" के सम्मुख साहब लोग लाचार हो जाते हैं। मैनेजमेन्ट को मैनेज करना सिखाना तो रेल रोकने के लिये रेल के आगे खड़ा होना है ...... ***रांगी इन्टरनेशनल*** (डी-3/4 ओखला फेज-2) फैक्ट्री के स्टाफ के लोग तथा मजदूर सुनते और बोलते रहे। स्टाफ की तो सात महीनों की तनखा बकाया हो गई है जबकि मजदूरों को दिसम्बर-जनवरी-फरवरी-मार्च की तनखायें नहीं दी हैं। एक के बाद दूसरी तारीख बताते रहते हैं। मजदूरों ने 27 अप्रैल से काम बन्द किया हुआ है .... ***मेगा विक वियर*** (ए-102/3 ओखला फेज-2) फैक्ट्री में 10 घण्टे रोज ड्युटी पर 26 दिन के 9800 रुपये और इन 9800 में से 1290 रुपये पी एफ के तथा 189 रुपये ई एस आई के काटते हैं। अब 50 मजदूर ही बचे हैं , पहले 100 थे। मार्च में पी एफ वाले फैक्ट्री आये तो 20 महिला मजदूरों को ए-118 में एक कमरे में ले जा कर बैठा दिया......

कुछ इमेल पते

श्रम विभाग दिल्ली	< labjlc2.delhi@nic.in >
ई एस आई महानिदेशक	< dir-gen@esic.nic.in >
केन्द्रीय भविष्यनिधि आयुक्त	< cpfc@epfindia.gov.in >

हरियाणा सरकार द्वारा 1 जनवरी 2017 से निर्धारित न्यूनतम वेतन :

अकुशल श्रमिक 8280 रुपये मासिक (8 घण्टे के 318 रुपये)
कुशल ब 10,065 रुपये मासिक (8 घण्टे के 387 रुपये)
उच्च कुशल श्रमिक 10,568 रुपये मासिक (8 घण्टे के 406 रुपये)

दिल्ली सरकार द्वारा 3 मार्च 2017 से निर्धारित न्यूनतम वेतन :

अकुशल श्रमिक 13,350 रुपये मासिक (8 घण्टे के 513 रुपये);
अर्ध-कुशल श्रमिक 14,698 रुपये मासिक (8 घण्टे के 565 रुपये);
कुशल श्रमिक 16,182 रुपये मासिक (8 घण्टे के 622 रुपये)।

एक रिपोर्ट

एक मित्र ने ***एस पी एम ऑटोकॉम्प सिस्ट्म्स*** (187 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर) फैक्ट्री मैनेजमेन्ट द्वारा मानेसर थाने में दायर एफ आई आर की फोटो व्हाट्सएप पर भेजी। सुश्री चेतना ने 6.4. 2017 के टाइम्स ऑफ इण्डिया में इस सन्दर्भ में समाचार दिया जहाँ से हम ने जानकारी ली है।

500 से ज्यादा मजदूर एस पी एम ऑटोकॉम्प फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में काम करते हैं। बुधवार, 5 अप्रैल को साँय 7 बजे आरम्भ हुई शिफ्ट में 37 वर्षीय शत्रुघ्न भी थे। मैनेजमेन्ट के अनुसार तीन वर्ष से फैक्ट्री में काम कर रहे शत्रुघ्न हैल्पर थे और ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखे गये थे। वीरवार को सवेरे 4 बजे शत्रुघ्न कनवेयर बैल्ट में फँस गये। मेन्टेनैन्स वरकरों ने कनवेयर बैल्ट को काट कर शत्रुघ्न को निकाला। रॉकलैण्ड अस्पताल ने 'मृत लाया गया' कहा। कम्पनी ने पुलिस को सूचना दी और जाँच अधिकारी आया तथा साढे नौ बजे फैक्ट्री से चला गया।

पुलिस अधिकारी के फैक्ट्री से निकलने के मिनटों के अन्दर होण्डा, मारुति सुजुकी, मुंजाल शोवा, एफ एम आई ऑटोमोटिव, इन्ड्युरेन्स टैक्नोलोजीज, बेलसोनिका ऑटोकम्पोनेन्ट्स आदि फैक्ट्रियों के मजदूर एस पी एम ऑटोकॉम्प फैक्ट्री में दाखिल हो गये। फैक्ट्री में उत्पादन बन्द हो गया और फिर रात की शिफ्ट में भी बन्द रहा। क्षेत्र की अन्य फैक्ट्रियों में भी उत्पादन प्रभावित।

बहुत जल्दी, दस बजे के करीब मानेसर थानेदार 150 पुलिसवालों के साथ एस पी एम ऑटोकॉम्प फैक्ट्री पहुँचा और बोला कि विरोध शांति से करो। श्रम विभाग के अधिकारी भी पहुँच गये। साँय साढे पाँच बजे बताया गया : शत्रुघ्न की मृत्यु की एवज में आठ लाख रुपये, शत्रुघ्न की बेटी के लिये तीन लाख रुपये बैंक में फिक्स्ड डिपोजिट में, शत्रुघ्न के बेटे के 21 वर्ष आयु का होने तक 5000 रुपये हर महीने परिवार को, शत्रुघ्न के दोनों बच्चों की शिक्षा का खर्च, यह सब एस पी एम ऑटोकॉम्प कम्पनी देगी। शत्रुघ्न की पी एफ राशि तथा अन्य बेनेफिट इनके अतिरिक्त। और, गुड़गाँव (दक्षिण) के डी सी पी ने पुलिस चौकसी जारी रखने की बात की।

आई एम टी मानेसर और पुणे में फैक्ट्रियों वाली एस पी एम ऑटोकॉम्प कम्पनी एग्जास्ट मनीफोल्ड का उत्पादन कर मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स, हुन्डई, फोर्ड, जनरल मोटर, फियेट, होण्डा कार फैक्ट्रियों को तथा डेम्लर, अशोक लेलैण्ड, वाल्वो, आयशर, टाटा क्युमिन्स बस-ट्रक फैक्ट्रियों को भेजती है।

टारगेट नहीं बनना

2002 में, जब 15 वर्ष आयु थी तब ***शिवम् ऑटोटेक लिमिटेड***, बिनौला, गुड़गाँव फैक्ट्री में लगा। साढे तीन साल लगातार नाइट ड्युटी की — 12 घण्टे की शिफ्ट।

शिवम् ऑटोटेक, बिनौला फैक्ट्री में करीब 600 मजदूर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में। जुलाई 2015 में मैनेजमेन्ट ने पुराने वरकर निकालने शुरू किये। दिन वाली 12 घण्टे ड्युटी के बाद 5-7 वर्ष से फैक्ट्री में नौकरी कर रहे मजदूर रात को अपने निवास जाते और सुबह ड्युटी के लिये पहुँचते तो गेट बन्द।

आपस में चर्चाओं के बाद 15 जुलाई 2015 को दिन की शिफ्ट आरम्भ हुई तब 300 वरकर कार्यस्थल पर जाने की बजाय फैक्ट्री के अन्दर पार्क में जा कर बैठ गये। मैनेजमेन्ट हड़बड़ा गई। काम बन्द हुये 8 घण्टे हो गये तब पार्क में आ कर साहबों ने आश्वासन दिया कि कोई निकाला नहीं जायेगा, काम करो। हम 6 लड़के आगे हो कर बोल रहे थे। हम 6 राजी हो गये और हम सब लड़कों को बोले कि काम शुरू करो।

काम आरम्भ होने के बाद, एक-एक करके हम 6 को मैनेजमेन्ट ने बुलाया। मैं गया तब तक 4 के रिजाइन लिखवा लिये थे। मैंने मना कर दिया। शिफ्ट समाप्ति के बाद बिनौला गाँव में मेरे कमरे पर बाउन्सरों के साथ ठेकेदार कम्पनी वाला आया। मुझे डराया, धमकाया, गन दिखा कर इस्तीफा लिखवाया और बोले कि फैक्ट्री के पास दिखाई दिया तो मार देंगे। मैंने इलाका ही छोड़ दिया।

जबरन इस्तीफों के खिलाफ नाइट शिफ्ट वालों ने काम बन्द कर दिया तब बहका दिये कि वे 6 तो पैसे ले गये। काम शुरू हो गया।

साझेदारी

✶ मजदूर समाचार की 15-16-17 हजार प्रतियाँ छापते हैं। आई एम टी मानेसर, उद्योग विहार गुड़गाँव, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फरीदाबाद में मजदूर समाचार का वितरण हर महीने होता है। दिल्ली के इर्द-गिर्द के औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूर समाचार की बीस हजार प्रतियाँ प्रतिमाह आवश्यक लगती हैं। बाँटने में अधिक लोगों की साझेदारी के बिना यह नहीं हो सकेगा। सहकर्मियों-पड़ोसियों-मित्रों-साथियों को देने के लिये 10-20-50 प्रतियाँ हर महीने लीजिये और मजदूर समाचार के वितरण में साझेदार बनिये।

✶ मजदूर समाचार के वितरण के दौरान फुरसत से बातचीत मुश्किल रहती है। इसलिये मिलने-बातचीत के लिये पहले ही सूचना देने का सिलसिला आरम्भ किया है। चाहें तो अपनी बातें लिख कर ला सकते हैं, चाहें तो समय निकाल कर बात कर सकते हैं, चाहें तो दोनों कर सकते हैं।

— मंगलवार, 30 मई को सुबह 6 बजे से 9½ तक आई एम टी मानेसर में सैक्टर-3 में बिजली सब-स्टेशन के पास मिलेंगे। खोह गाँव की तरफ से आई एम टी में प्रवेश करते ही यह स्थान है। जे एन एस फैक्ट्री पर कट वाला रोड़ वहाँ गया है।

— उद्योग विहार, गुड़गाँव में फेज -1 में पीर बाबा रोड़ पर वोडाफोन बिल्डिंग के पास सोमवार, 29 मई को सुबह 7 से 10 बजे तक बातचीत के लिये रहेंगे। यह जगह पेड़ के नीचे चाय की दुकान के सामने है।

— बुधवार, 31 मई को सुबह 7 से 10 बजे तक चर्चा के लिये ओखला-सरिता विहार रेलवे क्रॉसिंग (साइडिंग) पर उपलब्ध रहेंगे।

✶ फरीदाबाद में मई में हर रविवार को मिलेंगे। सुबह 10 से देर साँय तक अपनी सुविधा अनुसार आप आ सकते हैं। फरीदाबाद में बाटा चौक से थर्मल पावर हाउस होते हुए रास्ता है। ऑटोपिन झुग्गियाँ पाँच-सात मिनट की पैदल दूरी पर हैं।

फोन नम्बर : 0129-6567014

व्हाट्सएप के लिये नम्बर : 9643246782

ई-मेल < majdoorsamachartalmel@gmail.com >

एक मई

मारुति सुजुकी मानेसर के एक बर्खास्त मजदूर से व्हाट्सएप पर चर्चा में :— इन कुछ बातों पर विचार कर बताना : डेढ-सौक वर्ष पहले भाप-कोयले की मशीनों के दौर में आठ घण्टे के कार्यदिवस की बात उठी थी। आठ घण्टे काम के एक मजदूर को इतने पैसे हों कि उनसे परिवार का पालन-पोषण हो सके। परिवार में तब दादा-दादी, पाँच-सात बच्चे, एक बुआ जैसी बातें यूरोप-अमरीका में सामान्य थी। आज परिवार की साइज काफी सिकुड़ गई है और एक से अधिक सदस्यों द्वारा नौकरी करना, बारह-सोलह घण्टे की ड्युटी करना खर्च चलाने के लिये सामान्य है। आज सी एन सी मशीनों और रोबोट का समय है। इसलिये सुधार की बातें गुमराह करने वाली हैं। इस सब को बदलने के रोचक-जीवन्त समय में हम हैं। ऐसे समय में पहली मई नेताओं के भाषणों का दिन बना है जब लीडर लोग उनके नेतृत्व में इतने संघर्षों-इतनी कुर्बानियों के किस्से दोहराते हैं और नतीजों पर पर्दे डालने की कोशिशें करते हैं। लाखों मजदूरों वाले औद्योगिक क्षेत्रों में लीडरों के भाषणों को सुनने वाली मजदूरों की नगण्य सँख्या तूफानों की पूर्ववेला है।

कई बातें कईयों में बातचीतों में

दिल्ली में ओखला औद्योगिक क्षेत्र हो , चाहे गुड़गाँव में उद्योग विहार , या आई एम टी मानेसर , या फिर फरीदाबाद हो , बातचीत में कई फैक्ट्रियों के मजदूर शामिल हो जाते हैं और अनेक प्रकार की बातें होती हैं। लेकिन मजदूर समाचार में हम आमतौर पर फैक्ट्री-विशेष के आधार पर विवरण देते रहे हैं। ओखला में फरवरी 2013 और उद्योग विहार में फरवरी 2015 में हुई व्यापक बातचीत की झलक हम अवश्य दे पाये थे।

अकेले-दुकेले में भी , रोने-धोने में भी बातें जारी रहने पर कई तरह की चर्चा और कई जगह के उदाहरण बातों में आते हैं। व्यापकता प्रत्येक में है। एकमेव और एकमय के इस दौर में , in this era of unique and together , सात अरब मनुष्य तो प्रस्थान-बिन्दु हैं। पृथ्वी पर और अन्तरिक्ष में जीव तथा निर्जीव के तौर पर परिभाषित सब एक-दूसरे से घनिष्ठता से जुड़े हैं। प्रत्येक का अस्तित्व दाव पर लग जाना एक बात है। अधिक महत्वपूर्ण है होने का अर्थ और उत्सव , जीवन में आनन्द।

कईयों के बातचीत में शामिल होने पर जो होने का , एक व अनेक होने का अर्थ और खुशी , प्रसन्नता , आनन्द तथा जानकारियाँ एवं प्रेरणायें मिलती हैं उन्हें हम यहाँ प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहे हैं।

★ ***सुपर ऑटो*** (80 सैक्टर-6 , फरीदाबाद) फैक्ट्री का मजदूर 11 अप्रैल को बोला कि सुन कर ताज्जुब होगा कि 12 घण्टे के 300 रुपये देते हैं जबकि हरियाणा सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम 8 घण्टे के लिये 318 रुपये है। ***सुपर ऑटो*** (50 सैक्टर-6 वाली) फैक्ट्री के नाइट शिफ्ट से छूटे वरकरों ने 25 अप्रैल को बताया कि 10 तारीख को तनखा लेने के तीन दिन बाद दोनों शिफ्टों के मजदूरों ने काम बन्द किया। रात वालों के निकलने के बाद जब सुबह 7 बजे दिन वाले फैक्ट्री के अन्दर नहीं गये तो दो घण्टे के अन्दर जी एम , एम डी सब आ गये। दो सौ रुपये बढाये। और , 2 मई को ***इकोकैट*** (प्लॉट 4 , 20 वाँ मील पत्थर , मथुरा रोड़ , फरीदाबाद) फैक्ट्री से नाइट शिफ्ट में 12 घण्टे ड्युटी कर लौटा मजदूर बात कर रहा था तब ***सुपर ऑटो*** (13 सैक्टर-6) फैक्ट्री में रात की 12 घण्टे की शिफ्ट करके आये वरकर बातचीत में शामिल हो गये : 13 अप्रैल को क्वालिटी वाले 15 लड़कों ने ऊपर जा कर साहब से तनखा बढाने को कहा तो एक का हिसाब कर दिया। वी एम सी के 120 ऑपरेटरों में विचार हुआ। फैक्ट्री में हँगामा करेंगे तो कुछ का गेट बन्द होगा। क्या करें ? आपस में सलाह की और नाइट शिफ्ट के 60 वी एम सी ऑपरेटर साँय 7 बजे फैक्ट्री गये ही नहीं। रात को ही एम डी ने कुछ वरकरों को फोन किये पर किसी मजदूर ने साहब का फोन रिसीव नहीं किया। सुबह ही बात करेंगे। सुबह 7 वाले वी एम सी ऑपरेटर भी अन्दर नहीं गये तो फिर साहब के फोन — आओ बात करो। दस बजे दो पुरानों को अन्दर भेजा। ग्रेड दो पर साहब बोला कि देखेंगे , काम शुरू करो। इधर 27 अप्रैल को साहब बोले कि ऑपरेटर को तनखा 7800 देंगे जबकि हैल्पर का ही न्यूनतम वेतन 8280 रुपये है। आपस में सलाह कर रहे हैं , तनखा लेने के बाद देखेंगे। फैक्ट्री में प्रेशर डाई कास्टिंग (पी डी सी) , सी एन सी , पेन्ट शॉप भी हैं। पी डी सी वाले काम बन्द करते हैं तब फैक्ट्री में उत्पादन रुक जाता है। वे काम बन्द करते रहते हैं , होली से पहले भी उन्होंने बन्द किया था , उनकी तनखा औरों से कुछ ज्यादा है, ओवर टाइम के पैसे उन्हें भी दुगुनी दर की बजाय सिंगल रेट से। सुपर ऑटो ग्रुप की फैक्ट्रियों में जनवरी 2017 से पहले हैल्परों की तनखा 5000 और ऑपरेटरों की 6000-6500 रुपये थी। जनवरी में एक रोज दोनों शिफ्टों में काम बन्द किया तब ऑपरेटरों की तनखा 7100 की। मार्च में 300 बढाये। जनवरी से तनखा बैंक में भेजने लगे हैं तब से तनखा तथा ओवर टाइम एक साथ भेज कर निर्धारित न्यूनतम से ज्यादा वेतन दिखाने लगे हैं।

★ चार दिन पावर प्रैस पर काम किया उसके पैसे नहीं दे रहे..... दुर्भाग्य से एस्कोर्ट्स में था........ बहुत दूर , पलवल ड्युटी कर रहा हूँ..... फ्री है कहने पर , मैं पेपर निकालने के लिये पैसे देता हूँ..... पोते को रेल दिखाने आया बुजुर्ग बोला कि 13 साल से कटलर हैमर में परमानेन्ट मजदूरों का मुँह बन्द कर रखा है...... प्रेस्को-मेक ऑटोकॉम्प (9 डी सैक्टर-6 , फरीदाबाद) ऐसी कम्पनी है कि बीमार हो जाओ और चार दिन नहीं जाओ तो कार्ड रोक देते हैं चाहे दस वर्ष से काम कर रहे हों...... काले कुर्ते-पजामे में तैश में युवा : ई एस आई मेडिकल कॉलेज में मजदूरों के साथ बहुत दुर्व्यवहार ! किस फैक्ट्री से हो ? फैक्ट्री कोई हो , ई एस आई के लिये पैसा तो कटता है....... विंग्स ऑटोमोबाइल प्रोडक्ट्स (डी एल एफ से 31 सैक्टर-6 पहुँची) फैक्ट्री मजदूरों के बहुत अनुभव हैं।

★ ***जगसन पॉल फार्मास्युटिकल्स*** (12/4 मथुरा रोड़ , फरीदाबाद) फैक्ट्री में 450 वरकर थे , अब 35 हैं , दवाइयाँ बाहर बनती हैं , मोहर और मार्केटिंग यहाँ की .... बदरपुर टोल पर 100 कर्मियों को 12 घण्टे ड्युटी पर महीने के 8500 रुपये..... ओखला फेज-2 में दो महीने की तनखा फँसी है , अब फरीदाबाद में लार्सन एण्ड टुब्रो में लगा हूँ.... ग्रुप फोर गार्ड : यह पेपर नहीं , धरोहर है।

★ बन्द पड़ी फैक्ट्री (873 उद्योग विहार फेज-1 , गुड़गाँव) में साँस की तकलीफ से परेशान गार्ड ड्युटी जा रहा..... रात 12 घण्टे ड्युटी कर आ रहा गार्ड : स्पिरिट क्लोथिंग (549 उद्योग विहार फेज-5) में साढे तीन साल नौकरी की , अब फण्ड के पैसे निकालने का फार्म यह कह कर नहीं भर रहे कि रजिस्टर नहीं मिल रहा...... ***क्वाट्रो ग्लोबल सर्विस*** (119 उद्योग विहार फेज-1) में ***ट्रिग सेक्युरिटी*** के गार्ड थे , दो साल के फण्ड के पैसे निकालने का फार्म यह कह कर नहीं भर रहे कि नौकरी छोड़ गया जी एम पी एफ खा गया ..... कैलाश रिबन वरकरः हर जगह भ्रष्टाचार है...... और ***कोका कोला/एनरिच एग्रो*** (276-277 उद्योग विहार फेज-2) के मजदूर बातचीत में शामिल हो गये : ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखे 250-300 वरकरों की तनखा 5-6000 रुपये और 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट , ओवर टाइम सिंगल रेट से। कम्पनी द्वारा स्वयं रखे 250-300 के बैंक खातों में सही रकम भेजते हैं पर फिर साहब लोग " ज्यादा पैसे भेजे हैं" कह कर 800-1000 रुपये वापस लेते हैं..... ***नपीनो ऑटो एण्ड इलेक्ट्रोनिक्स*** (753 उद्योग विहार फेज-5) मजदूरों ने समूहों में बातें की। सब टेम्परेरी निकालने के बाद अब यहाँ 150 परमानेन्ट मजदूर हैं। आई एम टी मानेसर सैक्टर-3 फैक्ट्री में कम्पनी ने यूनियन से तीन वर्ष की एग्रीमेन्ट की है पर यहाँ कह रहे हैं कि घाटे में है , प्लान्ट बन्द करेंगे। अरे , वहाँ 9250 रुपये वाली एग्रीमेन्ट में प्रोडक्शन बहुत बढाया है , इतना उत्पादन बस का नहीं , परमानेन्ट को भी छोड़ कर जाना होगा। इधर भी तो कम्पनी 3000 ले लो , 4000 ले लो कह रही है। हरिद्वार में कम्पनी ने बड़ी फैक्ट्री खोली है , कुछ परमानेन्ट को यहाँ भेजने के बाद वहाँ मात्र 50 परमानेन्ट मजदूर और ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे 2000 वरकर तीन शिफ्टों में , ओवर टाइम भी बहुत, पैसे सिंगल रेट से। उद्योग विहार फैक्ट्री से अधिकतर मशीनें हरिद्वार ले गये और यहाँ स्विच विभाग में ही हल्का-फुल्का काम है। नपीनो ऑटो मजदूरों की बातों के दौरान ***भारत इन्टरप्राइजेज*** (189 उद्योग विहार फेज-1) का वरकर कागज पर लिखा दे गया। चमड़े के कई आइटम बनाने वाली फैक्ट्री में नाइट लगने पर खाने के जो पैसे मजदूरों के बनते हैं उन्हें सुपरवाइजर और मास्टर खा जाते हैं। ऊपर से इन्हें दारू पिलाओ अन्यथा इनकी उल्टी-सीधी बातें सुनो। दो साल से आये मैनेजर ने ओवर टाइम डबल की जगह सिंगल रेट से कर दिया है और कहता है पीछे को भूल जाओ..... ***सरगम*** (152 उद्योग विहार फेज-1) फैक्ट्री में सुबह 9 से रात 1 बजे तक ड्युटी पर रोटी के लिये एक पैसा नहीं, अगली सुबह 6 बजे तक रोकते हैं तब भोजन के लिये 30 रुपये...... ***धीर इन्टरनेशनल*** (299 उद्योग विहार फेज-2) वरकर अप्रैल 2016 में घर गया और लौटने पर काम नहीं है कह कर नहीं रखा। बोले कि एक महीने किये काम के पैसे दे देंगे। दे देंगे करते-करते मार्च 2017 आ गया तो मजदूर एम डी से मिला। साहब बोले नाम लिखा दो , पैसे मिल जायेंगे। नहीं मिले। **(शेष पेज दो पर)**

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक शेर सिंह के लिए रौनिजा प्रिन्टर्स फरीदाबाद से मुद्रित किया।
RN 42233 पोस्टल रजिस्ट्रेशन L/HR/FBD/73/15-17
सौरभ लेजर टाइपसैटर्स, बी—551 नेहरु ग्राउंड, फरीदाबाद द्वारा टाइपसैट।